**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** Thank you.

**SHRI TIRUCHI SIVA:** Sir, this is the situation. Unemployment is soaring up. In agriculture sector, the farmers are committing suicide.

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** Thank you.

**SHRI TIRUCHI SIVA:** Sir, I will conclude. The Tamil Nadu Government which has been affected by very severe flood in December, 2023 have sought for relief fund. The Chief Minister met the Prime Minister. Despite that the delegation of Members of Parliament met the Home Minister, despite that Shri Raj Nath Singh, Defence Minister visited us, despite that, we are pleading. Nothing has been given.

(Ends)

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** Thank you. Now, Dr. Ashok Kumar Mittal.

**डा. अशोक कुमार मित्तल** (पंजाब) : उपसभापति महोदय, आज आपने मुझे भारत की अर्थव्यवस्था पर, व्हाइट पेपर पर हो रही चर्चा में बोलने का अवसर दिया इसके लिए धन्यवाद। इस पर हम आज इस सदन में चर्चा कर रहे हैं और कल इस पर लोक सभा में चर्चा हुई थी। मैं सबसे पहले देश को बधाई दूंगा कि माननीय श्री पी.वी. नरसिम्हा राव जी, चौधरी चरण सिंह जी और डा. एम.एस. स्वामीनाथन जी को 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया है। श्री नरसिम्हा राव जी economic reforms के लिए जाने जाते हैं, डा. स्वामीनाथन जी agriculture reforms के लिए याद किए जाते हैं और हमारे

चौधरी चरण सिंह जी किसानों को आगे ले जाने के लिए याद किए जाते हैं। मैं इसके लिए भारत के माननीय प्रधान मंत्री जी का धन्यवाद करना चाहूंगा।

सर, इस 60 पेज के व्हाइट पेपर में मुख्यतः दो चीज़ों पर स्ट्रेस दिया गया है, एक यूपीए के कार्यकाल में economic mismanagement हुआ है और दूसरा सरकार अर्थव्यवस्था को दोबारा पटरी पर ले आई है, इन दो चीजों पर स्ट्रेस है। हम सब इस बात पर सहमत होंगे कि सरकार चाहे नेहरू जी की रही हो, शास्त्री जी की रही हो, अटल जी की रही हो, डा. मनमोहन सिंह जी की रही हो, उन्होंने कुछ तो अच्छा कार्य किया होगा, अन्यथा आज हम इस स्थिति पर न होते। एक बात अर्ज़ करूंगा,

*'तारीफ खुद की करना फिज़ूल है,*
*खुशबू खुद बता देती है कि कौन-सा फूल है।'*

सर, मेरा ऐसा मानना है कि जो भी देश में अच्छे काम हुए हैं, उनको व्हाइट पेपर में डालना चाहिए और जनता के सम्मुख लाना चाहिए, चाहे वे किसी भी सरकार के समय में हुए हैं।

(एलपी/2बी पर जारी)

LP-DPK/2B/1.05

**डा. अशोक कुमार मित्तल (क्रमागत)** : सर, यह देश का रिपोर्ट कार्ड है और रिपोर्ट कार्ड में हर सब्जैक्ट के अलग-अलग मार्क्स होते हैं। किसी के किसी सब्जैक्ट में कम मार्क्स आ सकते हैं, किसी में ज्यादा मार्क्स आ सकते हैं। मैं वित्त मंत्री जी से आग्रह करूंगा कि इस व्हाइट पेपर को व्हाइट ही रहने दें, इसे ग्रे न करें।

सर, मैं कल जम्मू-कश्मीर के बिल पर बोल रहा था। भारत सरकार ने या वहाँ की सरकार ने जम्मू-कश्मीर में जो अच्छे कार्य किए हैं, मैंने उनकी तारीफ की। माननीया मंत्री जी ने इसका संज्ञान लिया और अपने जवाब में कहा कि हमें अपोजिशन में ऐसे लीडर्स चाहिए, जो सही को सही और गलत को गलत बोलें, सरकार ने अच्छा काम किया तो उसकी तारीफ करें। इसके लिए उन्होंने खुशी की भावना दिखाई। सर, मैं भी आपसे यही चाह रहा हूं कि जिस सरकार ने भी अच्छे कार्य किए हैं, उनको बताएं। हमारी सरकार कभी भी नहीं थी, लेकिन जिस सरकार ने जो भी अच्छा कार्य किया, उसको भी बताएं और जो बुरा कार्य किया है, उसको भी बताएं।

सर, यदि आपने स्वच्छ भारत अभियान शुरू किया, तो यूपीए सरकार मनरेगा लेकर आई; आपने जन-धन योजना शुरू की, तो यूपीए सरकार यूएस-इंडिया न्युक्लियर डील लाई; आपने डिजिटल इंडिया की शुरुआत की तो यूपीए सरकार ने अपने पहले काल में देश को अभी तक की सबसे बड़ी जीडीपी ग्रोथ दी; आपने स्किल इंडिया शुरू किया, तो यूपीए सरकार ने नेशनल रूरल हैल्थ मिशन की नींव रखी; आपने मेक इन इंडिया को बढ़ावा दिया, तो यूपीए सरकार ने नेशनल फूड सिक्युरिटी बिल में गरीबों के लिए मुफ्त राशन शुरू किया; आपने आत्मनिर्भर भारत का विज़न दिया, तो यूपीए सरकार ने नेशनल अरबन लाइव्लीहुड मिशन दिया। सर, ऐसे कितने ही उदाहरण हैं, जब हमने इकट्ठे काम किया और देश को आगे बढ़ाने के लिए टीम इंडिया के तौर पर आगे बढ़े।

महोदय, मैं आपके समक्ष कुछ मुद्दे रखना चाहूंगा। पहला मुद्दा बेरोजगारी का है, जो कि युवाओं से जुड़ा है। सर, इस पेपर में कहीं पर भी बेरोजगारी पर बात नहीं की गई है। हमारी बेरोजगारी सात प्रतिशत है। हम सबसे युवा देश हैं, लेकिन दस लाख सरकारी पद रिक्त हैं। सरकार ने खुद ही कहा है कि जब उन्होंने आवेदन मांगे, तो सात लाख नौकरियों के लिए बाइस करोड़ आवेदन आए। हमारी यह हालत है! प्राइवेट सैक्टर में भी काफी mass layoffs हो रहे हैं। January में भी तीस हज़ार लोगों को निकाला गया है।

सर, मैं दूसरा बिंदु डिफेंस के बारे में बोलना चाहता हूं। चीन हमें आँखें दिखाता रहता है, पाकिस्तान में भी शायद फिर से Army-sponsored सरकार आ जाए। हमें Defence के लिए जितना budget चाहिए, हमारी Defence के लिए जितनी requirement है, क्या हम उसे पूरा कर रहे हैं? मैं माननीया मंत्री जी से निवेदन करूंगा कि इस पर थोड़ा-सा गौर करें।

महोदय, तीसरा मुद्दा, जो देश की ग्रोथ से संबंधित है, वह Artificial Intelligence का है। Artificial Intelligence आ रहा है और अलग-अलग सैक्टर्स ने अनुमान किया है कि यह भारत के जीडीपी में अकेले 1 Trillion Dollar का योगदान कर सकता है। क्या हम उस advantage को लेने के लिए तैयार हैं, as a first mover? मैं माननीया मंत्री जी से कहूंगा कि कृपया उस तरफ भी देखें।

महोदय, जो deepfake के केसेज़ बढ़ते जा रहे हैं, हम उसको regulate करने के लिए क्या कर रहे हैं?

महोदय, चौथा मुद्दा, जिस पर मैं बात करना चाहूंगा, वह mining का है। हमारे देश में minerals की काफी availability है, लेकिन हमारा जो mining sector है, उसमें अभी भी जो legacy issue है, वह उससे प्रभावित है। हमारे पास adequate mineral exploration नहीं है। मैं चाहूंगा कि इस पर ध्यान दें और जरूरत पड़े, तो एक mining regulator लगाने की तरफ भी देखें।

महोदय, मेरा सुझाव है कि जहाँ भी ठीक लगता है, व्हाइट पेपर पर उसको देखें और revise करें, kindly ego issue न लाएं। उसको देखते हुए आपको जहाँ ठीक लगता है, वह कीजिए, ताकि हमारे सामने जो भी चुनौतियाँ हैं, हम उनका मुकाबला करें और सिर्फ आंकड़ों तक ही सीमित न रहें। मैं उम्मीद करता हूं कि माननीया मंत्री जी इसका संज्ञान लेंगी।..(**समय की घंटी**).. मैं आखिर में छोटी-सी दो पंक्तियां कहकर अपनी बात खत्म करूंगा,

*'वो दोस्त मेरी नज़र में बहुत मायने रखते हैं,*
*जो वक्त आने पर मेरे सामने आईने रखते हैं।'*

आपने मुझे यहाँ पर बोलने का अवसर दिया है ,इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

(समाप्त)